''आदरणीय ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ''भाई जी'' का जीवन परिचय''

वर्तमान समय देश एवं समाज अनेक जटिल समस्याओं से धिरा हुआ है। इन तमाम समस्याओं का मूल कारण नैतिक मूल्यों का पतन है। नैतिक मूल्यों को समाज में पुनर्स्थापित करने का एक मात्र हल है–आध्यात्म। इस कठिनतम चुनौती को स्वीकार किया इन्दौर जोन के क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाई जी ने, आपने अपनी इंजीनियरिंग की शिक्षा समाप्त करने के बाद 22 वर्ष की युवा आयु से लेकर वर्तमान 76 वर्ष की आयु तक अर्थात् 55 वर्षों तक प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सरल, तर्कसंगत एवं विज्ञान परक आध्यात्मिक जीवन शैली के माध्यम से जन –जन की इस परम आवश्यक सेवा में निःस्वार्थ रूप से अपना तन–मन–धन न्यौछावर कर दिया ।

ईश्वरीय सेवाओं के आरंभ में आपने पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में ब्रह्माकुमारीज के अनेक सेंवाकेन्द्र स्थापित किये।1963 में आप संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के निर्देशानुसार जबलपुर आये जहां आपके प्रयास से मध्यप्रदेश में संस्था के प्रथम सेवाकेन्द्र की स्थापना हुई ।
13 जनवरी 1969 को पिताश्री ने माउण्ट आबू से भाईजी को पत्र लिखा जिसमें इन्दौर में सेवा हेतु जाने का निर्देश दिया। इस प्रकार 18 जनवरी 1969 को ब्रह्माबाबा के अव्यक्त होने के पश्चात् उनकी अंतिम आज्ञा का पालन करते हुए 23 फरवरी 1969 को इन्दौर के गांधी हॉल में ईश्वरीय ज्ञान की प्रदर्शनी के द्वारा भाई जी ने सेवाओं की शुरूवात की ।

1980 में आपने संस्था की तत्कालिन मुख्य प्रशासिका आदरणीया दादी प्रकाशमणी के निर्देश पर न्यू–पलासिया में भूमि क्रय कर ओमशान्ति भवन का निर्माण कर उसमें 550 मूर्तियों से सुसज्जित ''सृष्टि दर्शन आध्यात्मिक संग्रहालय" स्थापित किया एवं आपके ही मार्ग दर्शन में ओमशान्ति भवन से संलग्न एक विशाल भवन **''ज्ञान शिखर"** का निर्माण हुआ है जिसमें लोग उच्च शिक्षा हेतु निवास करते है तथा इसके हॉल में अनेक सामाजिक, आध्यात्मिक एवं विभिन्न वर्गो के प्रेरक सम्मेलन एवं शिविर आयोजित हो रहे हैं । इस प्रकार 1969 में आपके द्वारा बोया गया परमात्म ज्ञान का बीज इतना पल्लवित, पुष्पित होता गया कि यहां से न सिर्फ मध्यप्रदेश में अपितु समुचे छत्तीसगढ एवं सीमावर्ती क्षेत्र उड़िसा एवं राजस्थान में सेवाकेन्द्र खुलते गये। वर्तमान में यह इन्दौर झोन बन गया है और यहां से 400 सेवाकेन्द्रों, उप–सेवाकेन्द्रों का कुशल संचालन आपके निर्देशन में हो रहा है ।

इन सब सेवाकेन्दों, उप–सेवाकेन्द्रों के संस्थापक एवं क्षेत्रीय निदेशक होने के अतिरिक्त भाई जी अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउन्ट आबू में दो प्रमुख प्रशासनिक संगठनों, ब्रह्माकुमारीज एजुकेशनल सोसायटी तथा राजयोग एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउन्डेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के रूप में सेवा कर रहें है ।
संस्था के द्वारा बनाये गये 18 विंग्स में से आप मीडिया विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष है । आपके मार्ग दर्शन में माउन्ट आबू में वर्ष में दो बार मूल्यनिष्ठ मीडिया महा– सम्मेलन का आयोजन होता है इन कार्यक्रमों को मद्देनजर रख आपको 24 अक्टूबर 2004 को "संयुक्त राष्ट्र दिवस" पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा *''इंटरनेशनल अवार्ड इन मीडिया फॉर स्प्रीचुअल्टी"* से अलंकृत किया गया ।

* आध्यात्मिक क्रांति के दूत भाई जी ने 1991 में केन्या, इंगलैंड, स्कॉटलेण्ड आदि देशों की यात्रा कर लाखों आत्माओं को प्रेरित किया ।
* 1998 में मन्दसौर में आयोजित रोटरी इन्टरनेशनल की मल्टीपल कॉन्फ्रेंन्स को आपने मुख्य अतिथि के रूप में पधार कर सुशोभित किया ।
* आप इन्दौर में संस्था का देश में एक मात्र दिव्य जीवन कन्या छात्रावास उर्फ शक्ति निकेतन की स्थापना कर उसका सफल संचालन कर रहें है । यहां देश के विभिन्न प्रांतो की 150 कन्यायें निवास कर लौकिक एवं अलौकिक शिक्षा में अध्ययनरत है ।
* आपने रायपुर छत्तीसगढ़ में विशाल शांति सरोवर उच्च अध्ययन एवं अनुभूति संस्थान की स्थापना की है।
* आदिवासी बहूल क्षेत्र बस्तर में आदिवासी उत्थान परियोजना द्वारा हजारों आदिवासियों के जीवन में परिवर्तन किया है । उस क्षेत्र में 75 गीता पाठशालायें सकुशल चल रही है।
* इस प्रकार उम्र के इस पड़ाव में भी आदरणीय भाई जी अपने आत्मबल, विवकेबल और चरित्रबल से अथक होकर अपनी बहूआयामी सेंवाएं समाज को दे रहें है।

==0==